विश्व न्याय मंदिर

25 नवंबर 2020

विश्व के बहाईयों के प्रति

परमप्रिय मित्रों,

1. हम अत्यंत स्नेह के साथ आपको इस विशेष दिवस पर शुभकामनाएं देते हैं, वह दिवस, जो संविदा की शक्ति के स्मरण का एक अवसर है, वह शक्ति जो इस “अनिश्चित संसार के शरीर में धड़कती” है और जो धर्मानुयायियों के बीच प्रेम के स्थायी बन्धनों का निर्माण करती है। रिज़्वान के महीनों से, हमने बहाउल्लाह के अनुयायियों के एकताबद्ध गतिविधि में इस गत्यात्मक शक्ति के प्रमाण देखे हैं, जिन्हें हर महाद्वीप और देश में प्रभुधर्म की संस्थाओं ने इतनी दक्षतापूर्वक अपना नेतृत्व प्रदान किया है, जबकि सभी जगहों के मित्रों ने व्याधिग्रस्त संसार की आवश्यकताओं के निवारण के लिए विशिष्ट रचनात्मकता और दृढ़प्रतिज्ञता के साथ प्रयास किए हैं। इन तमाम दिक्कतों के बीच सतत रूप से, अपने आस-पास के लोगों के कल्याण के लिए, आपके द्वारा दर्शाई गई लोचपूर्णता और आपकी अविचल प्रतिबद्धता ने हमें अपार आशा से भर दिया है। लेकिन इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि कुछ अन्य हिस्सों में आशा एक समाप्तप्राय संसाधन हो चुकी है। दुनिया के लोगों को यह एहसास हो रहा है कि आने वाले दशक अपने साथ, मानव परिवार द्वारा कभी भी सामना किये गये दुसाध्य चुनौतियों में से कुछ को लाने वाले हैं। वर्तमान वैश्विक स्वास्थ्य संकट इन चुनौतियों में से बस एक चुनौती मात्र है जिसकी चरम गंभीरता की कीमत, जीवन और आजीविका दोनों ही के लिए, अभी भी पता नहीं है; ऐसे में एक-दूसरे को तथा वृहत्तर समाज के अपने भाई-बहनों को सहायता और सहारा देने के आपके प्रयासों को निश्चित रूप से जारी रखने और कुछ जगहों पर उन्हें और अधिक विस्तृत किए जाने की जरूरत है।

2. मानवजाति पर अपने थपेड़ों से आघात करते इन्हीं भीषण तूफ़ानों की पृष्ठभूमि में, प्रभुधर्म की नौका 'योजनाओं' की एक श्रृंखला पर आरूढ़ होने जा रही है जो उसे बहाई युग की तीसरी शताब्दी में ले जाएगी और धर्म की समाज-निर्माणकारी शक्तियों को साकार करने की बहाई समुदाय की क्षमता को महत्वपूर्ण रूप से सुदृढ़ बनाएगी। जैसाकि आप जानते हैं, इस नई श्रृंखला को आरंभ करने वाली पहली योजना केवल एक वर्ष की होगी। ऐसे स्थानों में जहां परिस्थितियों ने राष्ट्रीय समुदायों को रिज़्वान 2021 से पहले उनके इरादे अनुरूप सघन विकास कार्यक्रमों की स्थापना करने से रोका, ये बारह महीने उन्हें ऐसा करने के लिये, उनके उपलब्ध समय को बढ़ा देंगे। इस बीच, जहां विकास की प्रक्रिया में पहले ही तेजी लाई जा चुकी है, यह वर्ष उन्हें वर्तमान योजना के दौरान प्राप्त की गई उपलब्धियों को सुगठित करने, और इसके साथ ही सुदृढ़ता एवं बाह्य-उन्मुख दृष्टिकोण के लिए प्रख्यात अपने समुदाय के दायरे में ज्यादा से ज्यादा संख्या में लोगों को लाने के लिए आवश्यक स्थितियों के सृजन का मौका देगा। राष्ट्रीय, क्षेत्रीय एवं क्लस्टर स्तरों पर हम प्रमाणित क्षमता से सम्पन्न समुदायों को हम इस रूप में देखते हैं कि वे अपने से कम अनुभवी समुदायों को सहायता दें। इस साल भर लंबे प्रयास में, प्रत्येक समुदाय अपने अप्रयुक्त संभावनाओं का उपयोग करें और कोई बाधाएं जो उसके विकास को बाधित करती हैं, पर विजय पाने का प्रयास करें और इस तरह वे आने वाली अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए स्वयं को तैयार कर लें। क्योंकि एक फलते-फूलते समुदाय, खास तौर पर किसी गांव या मुहल्ले के गहन विकास केंद्र, के प्रसंग में ही, और ऐसी स्थिति में जबकि योजना की रूपरेखा के प्रत्येक तत्व पर वांछित ध्यान दिया जाता है, ये तत्व अत्यंत स्पष्ट रूप से संयुक्त और संयोजित हो जाते हैं, और कार्य के

क्षेत्र में समुदाय की शक्तियों में कई गुणा वृद्धि करते हैं।

3. हर जगह क्लस्टरों में विकास सम्बंधी प्रावधानों के अलावा, आगामी योजना का एक वर्ष अब्दुल-बहा के जीवन और संविदा, जिसके वे केन्द्र थे, की शक्ति पर गहन रूप से विचार करने का होगा। जब बहाई समुदाय अब्दुल-बहा के स्वर्गारोहण की शतवार्षिकी मनाने की तैयारी में लगा है, निस्संदेह, इस शतवार्षिकी का आयोजन व्यक्तियों और समुदायों दोनों को ही, उस असीम रूप से हृदयस्पर्शी क्षण के महत्व पर, विचार करने के लिए प्रेरित करेगा जब वह जो 'ईश्वर का रहस्य' था इस संसार से प्रयाण कर गया। उनके निधन ने उस युग के बहाईयों के बीच से एक ऐसी विभूति को छीन लिया जो उनके उत्कट प्रेम और निष्ठा का ध्येय-बिंदु था; इस युग के निष्ठावान बहाइयों के लिए वे अनुपम हैं: अपनी कथनी और करनी में वे अपने पिता की सभी शिक्षाओं के परिपूर्ण रूप से मूर्तिमान स्वरूप थे, एक ऐसी विभूति जिनके माध्यम से बहाउल्लाह की संविदा "घोषित, विजयी और प्रमाणित हुई"। हम अभिज्ञ हैं कि आगामी वर्ष इस बात की भी शतवार्षिकी का अवसर होगा जब "महत्वपूर्ण", "ऐतिहासिक" एवं "अविनाशी" दस्तावेज, उनका 'इच्छापत्र और वसीयतनामा' द्वारा उस प्रशासनिक व्यवस्था,—जो "उस दिव्य सभ्यता का प्रतिमान है, जिसे बहाउल्लाह का सर्वशक्तिमान विधान धरती पर स्थापित करने के लिए नियत किया गया है",—को "अस्तित्व में लाया गया, उसकी विशेषताओं की रूपरेखा तैयार की गई और उसकी प्रक्रियाओं को गतिशील किया गया"। इस "अद्वितीय" एवं "दिव्य रूप से संकल्पित" व्यवस्था, इस "शक्तिमान प्रशासनिक संरचना" को उसके 'वास्तुकार' द्वारा संविदा को अनवरत रूप से बनाए रखने और प्रभुधर्म की आध्यात्मिक शक्तियों को प्रवाहित करने के लिए आकार दिया गया था। अतः यह स्पष्ट हो जाएगा कि अगले वर्ष का 'संविदा दिवस' जिसमें अभी से ठीक बारह महीने बचे हैं, विशेष रूप से अर्थपूर्ण होगा। हम राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभाओं से आग्रह करते हैं कि, अपने-अपने देशों की मौजूदा स्थितियों को ध्यान में रखते हुए, वे यह तय करें कि एक के बाद एक इतनी निकट आने वाली ये तारीखें, किस तरह से आयोजित की जा सकती हैं।

4. इस बीच, अब्दुल-बहा के स्वर्गारोहण की शतवार्षिकी के स्मरण-अवसर पर एक सम्मिलन के आयोजन के लिए पवित्र भूमि में उत्साहपूर्वक तैयारियां जारी हैं, जिसमें, आशा की जाती है कि, राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभाओं और क्षेत्रीय बहाई परिषदों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। इसी तरह, महाद्वीपीय सलाहकार मंडलों और सहायक मंडल सदस्यों के सम्मेलन के लिए भी योजनाएं बनाई जा रही हैं जो कि जनवरी 2022 में उसी समय सम्पन्न होंगे, जबकि 'मास्टर' के 'इच्छापत्र और वसीयतनामा' को पहली बार सार्वजनिक रूप से पढ़े जाने को एक सौ वर्ष पूरे हो जाएंगे। निस्संदेह, दुनिया की स्थितियों के कारण, बहाई विश्व केन्द्र में सम्पन्न होने वाले इन सम्मिलनों के लिए बनाई जा रही योजनाओं में परिवर्तन की जरूरत हो सकती है। लेकिन चाहे जो भी हो, हमें इसमें कोई संदेह नहीं कि अब्दुल-बहा के स्वार्गरोहण को समुचित श्रद्धांजलि देने और संविदा-दिवस के प्रति सम्मान प्रकट करने हेतु अगामी शताब्दी वर्ष में दुनिया भर के स्थानीय समुदायों द्वारा किए जाने वाले उपक्रमों से, ईश्वर की 'लघु योजना' के आगामी चरण के समारंभ के लिए वांछित गतिशक्ति प्राप्त होगी, जबकि दूसरी ओर विधाता अपने निर्विवाद आदेश के अनुसार 'वृहत् योजना' के प्राकट्य को आगे बढ़ा रहा होगा।

5. एक वर्षीय योजना के प्रत्येक क्रमिक चक्र के साथ जिस गति का निर्माण होना तय है वह दो फिल्मों के रिलीज किए जाने से और तेज हो जाएगी। उनमें से पहली फिल्म, अब्दुल-बहा के व्यक्तित्व को चित्रित करेगी जो कि समय पर शतवार्षिकी स्मरण-अवसर के लिए उपलब्ध करा दी जाएगी। उनके जीवन और कृतित्व के प्रति सम्मान प्रकट करने के अलावा, उसमें यह भी दर्शाने का प्रयास किया जाएगा कि किस तरह उन्होंने अपनी

कथनी और करनी के माध्यम से मानवजाति की एकता को विजयी बनाकर, अपने जमाने की घिसी-पिटी अवधारणाओं और पूर्वाग्रहों को चुनौती दी, और एकीकरण की उस प्रक्रिया को उत्प्रेरित किया जो आज भी जारी है। पहली फिल्म के तुरंत बाद आने वाली दूसरी फिल्म में, उन ऊंचाइयों से जहां आज बहाई समुदाय खड़ा है और जहां से वह नए क्षितिजों की ओर निहार सकता है, 'रचनात्मक युग' के प्रथम सौ वर्षों की समाप्ति तक की झलक दिखाई जाएगी।

6. क्लस्टरों में जारी कार्यों को और समृद्ध करते हुए और इस एकल वर्ष को आने वाले वैश्विक उपक्रम की आदर्श तैयारी के रूप में ढालते हुए, एक वर्षीय योजना के दौरान आयोजित किए जाने वाले अवसरों की महत्ता उस योजना को एक अद्वितीय प्रकृति प्रदान करेगी। प्रफुल्लित आशा की भावना के साथ, हम यह घोषणा करते हैं कि रिज़वान 2022 से बहाई विश्व 'नौ वर्षीय योजना' आरंभ करेगा। उसकी आवश्यक बातों और प्रावधान बाद में प्रदर्शित किये जाएंगे, लेकिन उसकी अवधि हमें अभी से यह असंदिग्ध संकेत देती है कि उसका परिदृश्य कितना व्यापक होगा। ईश्वर ने चाहा तो उस योजना के समारंभ से पूर्व पूरी दुनिया में महीनों के दौरान कई सम्मेलनों की एक श्रृंखला आयोजित की जाएगी।

7. तो, अभी तक जैसी कि पूर्वकल्पना की जा सकती है, यही वह मार्ग है जिस पर बहाई समुदाय चलने का प्रयास करेगा। इस वर्तमान समय के लिए, हम आपसे आग्रह करते हैं कि अपने समक्ष खड़े मिशन पर ध्यान केन्द्रित करते हुए अपनी शक्तियों को पुनर्समर्पित करें। सभी परिस्थितियों में खासतौर पर इस अवधि के दौरान जबकि समाज के सुस्थापित जीवन के प्रतिमान बाधित हो गये हैं और अनेक लोगों को विभिन्न प्रकार के जोखिमों का सामना करना पड़ा है, जिस विश्वास भरी स्थिरता के साथ 'महानतम नाम' के समुदाय ने दिव्य उपचार को प्रदान करने का यत्न किया है उसे देखकर हम अत्यन्त संतुष्ट हैं। तथापि, मित्रों को सावधान रहना चाहिए कि अंतत: उस निरर्थक संघर्ष और विवाद की ओर उनका रुझान न हो जाए जो कि समाज के मामलों पर की जाने वाली बहस का इतना अधिक लक्षण बन गया है, अथवा—भगवान न करे—कि वे इस तरह के आपसी व्यवहारों को समुदाय के वार्तालापों में तनिक देर के लिए भी घुसने दें। इसके बावजूद, कलह से बचने और समाज के विवादों के पचड़े में न पड़ने के लिए आपके द्वारा बरती जाने वाली इस सावधानी का यह कदापि अर्थ नहीं निकाला जाना चाहिए कि आप इस समय की अनेक ज्वलंत चिंताओं से अपने को अलग-थलग रखे हुए हैं। इससे कहीं परे, आप मानवजाति के सबसे सक्रिय और सबसे सच्चे हितैषियों में से हैं। लेकिन, कथनी और करनी किसी भी माध्यम से, सामाजिक कल्याण के प्रति आपके प्रत्येक योगदान की सुयोग्यता, सर्वप्रथम, एकता के उस बहुमूल्य बिंदु को तलाशने के प्रति आपकी दृढ़ प्रतिबद्धता में निहित है जहां जाकर परस्पर-विरोधी दृष्टिकोण मिल सकें और जिसके चतुर्दिक, आपस में लड़ने वाले लोग एक हो सकें।

8. 1996 में समारंभ की गई योजनाओं की वर्तमान श्रृंखला के वर्तमान पांच वर्षीय योजना के दो पूर्ण चक्रों से भी कम बचे हैं। वस्तुत: इन समाप्त होते महीनों में, हम निश्चित रूप से आपकी ओर से 'पवित्र देहरी' पर उत्कट प्रार्थनाएं अर्पित करेंगे। ईश्वर करे कि आप उन लोगों में आशा का संचार करने में सफल हों जिन्हें यह पता ही नहीं कि इस गुमराह और दिशाहीन दुनिया में उसे कहां तलाशा जाए, जो उस एकता से वंचित है जिसे आप, संविदा के प्रति अपनी हार्दिक आस्था के माध्यम से, इतने स्पष्ट रूप से झलका रहे हैं।

विश्व न्याय मंदिर